मिट्टी, लकड़ी या फाइबर,
प्लास्टिक से बने होते हैं। ये ताल
वाद्यों के सहायक के रूप में
Class- III D
Pd - IV
Sub - Music

सङ्गीत

शिक्षक केर हेतु

- छात्रसभ कक्षामे जे सिखने अछि ओकरा घर पर अभ्यास करबाक हेतु प्रोत्साहित कएल करू ।
- बच्चासभकेँ एहन गीत सिखबा आ गएबामे नीक लगतैक जे ओ पाबनि तिहार आ कोनो उत्सवक समय पर घरमे सेहो गबैत अछि। बच्चासभकेँ एहन गीत सीखबाक आ कक्षामे प्रस्तुत करबाक हेतु प्रोत्साहित करु!
- दैनिक जीवनचर्जा मे सङ्गीत सुनक हेतु आ ओहि पर चर्चा करबाक हेतु बहुत अवसर भेटैत छैक । जेना कि प्रार्थनामे वा कक्षाक मध्य , एतेक तक जे विद्यालयक घण्टी बजयबाक बदलामे किछु मधुर सङ्गीत बजबए पर विचार करू!
- देशक विभिन्न शैलीक बहुत रास सङ्गीत सुनू आ आनन्द लिय, आओर छात्रसभसँ विभिन्न प्रकारक ध्वनि, वाद्ययन्त्र, भाषा आ शैलीक विषयमे गप्प करू जे ओ सभ सुनैत अछि।
- पाठ्यपुस्तकक एहि खण्डमे बहुत रास गतिविधि देल गेल अछि। सहजता सँ एहिमे अपन गतिविधि आ वैविध्यता जोड़ू।
- पोथी केर बेसी गीत आ गतिविधिमे एकटा ऑडियो अथवा वीडियो संसाधन सम्मिलित अछि जकरा पोथीमे देल गेल QR कोडकेँ स्कैन कऽ क ताकल जा सकैत अछि।
- शिक्षककेँ समाजक कलाकार सभक सहभागिता सुनिश्चित करबाक चाही, सङ्गहि अभिभावक आ आन शिक्षक लोकनि सेहो बच्चासभकेँ गीत-सङ्गीतमे शामिल होमक अवसर देथुन।

© NCERT not to be republished

6 आउ राष्ट्रगान गबैत छी।

गतिविधि 1 आउ, राष्ट्रगान गबैत छी

गीतक बोल

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।

पञ्जाब-सिन्ध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बङ्ग
विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गङ्गा,
उच्छल जलधि-तरङ्ग।

तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशीष माँगे,

गाहे तव जय गाथा,
जन-गण-मङ्गल-दायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।

जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय ,जय हे!

रचनाकार: रविन्द्रनाथ ठाकुर
भाषा: बङ्गला

अहाँके बूझल अछि की ?

सभ देशक अपन एकटा राष्ट्रगान होइत छैक। ई देशक आधिकारिक गीत अछि आ महत्वपूर्ण आयोजनसभमे बजाओल जाइत अछि।

जखनो राष्ट्रगान बजाओल जाइ तँ अपनासभकेँ अवश्य ठाढ़ होमक चाही जे देशक प्रति सम्मान व्यक्त करक प्रतीक अछि।

राष्ट्रगान गबैत काल अहाँकेँ केहन लगैत अछि?

अपन विद्यालयक गीत वा प्रार्थना सुनू आ गाउ।

आन प्रकारक आओर कोन सङ्गीत सभ अछि जाहि सँ अहाँ परिचित छी?

not to be republished © NCERT

गतिविधि 2 ध्वनि आ सङ्गीत

अपना सभक चारूकात बहुत रास ध्वनि विद्यमान अछि:

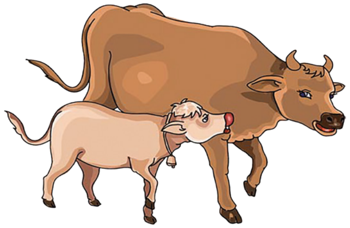

जेना की बरखाक बरसब, चिड़ै केर चहकब, रेलगाड़ीक चलनाइ, गायिक बोमिएनाइ, पातक सरसराहटि, मन्दीरक घण्टीक ध्वनि वा विभिन्न पूजास्थलक प्रार्थना अथवा विभिन्न प्रकारक वाद्य जेना कि डमरू,पखावज, ढोल, आ मञ्जीरा।

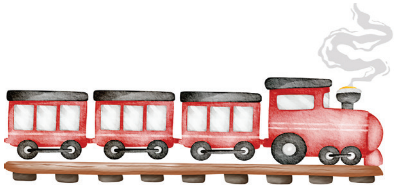

अहाँ ध्यान देलियैक जे एहि महक सभ ध्वनि कोना अद्वितीय अछि?

अहाँ अपन चारुकात सुनल जाइबला विभिन्न ध्वनिक सम्बन्धमे सोचू आ ओकरा नीचाँ लीखू?

टिप्पणी

____

____

____

____

____

अहाँके बूझल अछि की?

किछु ध्वनि सङ्गीत बनि सकैत अछि। ई बुझनाइ महत्वपूर्ण अछि जे सङ्गीत कोना बनैत अछि-राग आ ताल अहाँक कानक लेल सुखद आ मनोरञ्जक रहत।

© NCERT not to be republished